

रोल नं.
Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

Candidates must write the Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 10 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains 4 printed pages.
- Code number given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains 10 questions.
- **Please write down the Serial Number of the question before attempting it.**
- 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

दर्शनशास्त्र

PHILOSOPHY

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

Time allowed : 3 hours

Maximum Marks : 100

Instructions :

- (i) Answer **all** questions.
- (ii) All questions carry equal marks.

निर्देश :

- (i) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
- (ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. जैन-दर्शन के स्यादवाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

वैशेषिक दर्शन में प्रतिपादित सामान्य पदार्थ की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Explain Jaina doctrine of *syādavāda*.

OR

Explain Vaishesika's concept of *sāmānya padārtha*..

2. बौद्ध दर्शन में प्रतिपादित प्रतित्यसमुत्पाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

पुरुषार्थ के रूप में अर्थ की व्याख्या कीजिए ।

Explain Buddha's doctrine of *pratityasamutpāda*.

OR

Explain *artha* as a *purushārtha*..

3. भगवद्गीता में प्रतिपादित स्वधर्म की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

न्याय दर्शन में प्रतिपादित अनुमान के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

Explain the concept of *Svadharmā* as propounded in the *Bhagavadgita*.

OR

Explain Nyaya theory of inference.

4. न्याय दर्शन में प्रतिपादित प्रत्यक्ष संबंधी सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

भारतीय दर्शन के आस्तिक और नास्तिक दर्शनों में भेद की व्याख्या कीजिए ।

Explain Nyaya theory of perception.

OR

Explain the distinction between Orthodox and Heterodox schools of Indian Philosophy.

5. शंकर के माया संबंधी सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

पातंजली द्वारा अपने योगसूत्र में प्रतिपादित अष्टांग मार्ग की व्याख्या कीजिए ।

Explain Samkara's doctrine of *māyā*.

OR

Explain eightfold practice as propounded by Patanjali in his *Yogasutras*.

6. क्या केवल तर्कवाद ज्ञानमीमांसा के लिए पर्याप्त सिद्धान्त है ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

अथवा

सत्य के संवादिता सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

Can rationalism alone be a sufficient theory of knowledge ? Give reasons in support of your answer.

OR

Explain correspondence theory of truth.

7. 'कारण' क्या होता है ? कारणता के अनुलाग सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

प्रत्ययवाद के मुख्य सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए ।

What is 'Cause' ? Explain the entailment theory of causation.

OR

Explain the basic tenets of Idealism.

8. ईश्वर की सत्ता सिद्ध करने के लिए विश्वकारण युक्ति की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

क्या भौतिक परिवेश आध्यात्मिक परिवेश को प्रभावित करता है ? चर्चा कीजिए ।

Explain the Cosmological argument for the existence of God.

OR

Does physical environment affect spiritual environment ? Discuss.

9. क्या मन और देह संबंधित हैं ? उनके संबंध के किसी एक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

अरस्तू द्वारा प्रतिपादित उपादान कारण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

Are mind and body related ? Explain any one theory of their relationship.

OR

Explain Aristotle's notion of material cause.

10. काण्ट को दर्शनशास्त्र में कॉपरनिकन क्रान्ति का जनक क्यों कहा जाता है ? व्याख्या कीजिए ।

अथवा

शिक्षक और विद्यार्थी में आदर्श संबंध की व्याख्या कीजिए ।

Explain why Kant is said to usher in Copernican revolution in Philosophy.

OR

Explain the ideal relationship between a teacher and the taught.